



# कौटिल्य एकेडमी

IAS, IPS, MPPSC

अंतराष्ट्रीय

राष्ट्रीय

विज्ञान

अध्ययन

पर्यावरण

राजव्यवस्था

योजना/ नीति

कला-संस्कृति

अर्थव्यवस्था

सामाजिक मुद्दे



डेली करेंट  
अफ़ेयर्स

29 मई 2024

## हम्पी का विरुपाक्ष मंदिर

- कर्नाटक के हम्पी में स्थित विरुपाक्ष मंदिर का एक हिस्सा हाल ही में भारी बारिश के बाद ढह गया।
- हम्पी के ऐतिहासिक स्थल पर स्थित विरुपाक्ष मंदिर का मंडप या 'सालू मंडप' (Saalu Mantap) क्षतिग्रस्त हो गया।
- कुछ संरक्षणवादियों ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अधिकारियों पर इसकी सुरक्षा और संरक्षण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।
- ASI अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से वर्षा जैसी प्राकृतिक घटनाओं के कारण खंभों की स्थिति खराब हो गई है।

### विरुपाक्ष मंदिर के बारे में:-

- यह मंदिर भगवान विरुपाक्ष (या पम्पापति) को समर्पित है।
- विरुपाक्ष शिव का एक रूप है।
- इनकी पत्नी स्थानीय देवी पम्पा हैं।
- देवी पम्पा को माता पार्वती का अवतार माना जाता है।
- यह मंदिर हम्पी में स्थित है।
- हम्पी विजयनगर साम्राज्य (14वीं ईस्वी 16वीं ईस्वी) की राजधानी थी।
- यह मंदिर हम्पी में स्मारकों के उस समूह का एक हिस्सा है, जो यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के रूप में सूचीबद्ध हैं।
- यह मंदिर स्थापत्य की द्रविड़ शैली में बना है।
- इस शैली की खास विशेषताएं भव्य गोपुरम, विमान, जटिल नक्काशी, स्तंभ युक्त सभाकक्ष आदि हैं।



### मंदिर से संबंधित ऐतिहासिक तथ्य; -

- अभिलेखों के माध्यम से पता चलता है कि मंदिर का सबसे पहले निर्माण नौवीं दसवीं शताब्दी में कराया गया था। इसके बाद अलग-अलग राजवंशों ने मंदिर का विस्तार और अलंकरण कार्य कराया था।
- पल्लव, चालुक्य, होयसल, चोल जैसे राजवंशों ने मंदिर के विस्तार और अलंकरण में अपना योगदान दिया है। हालांकि, इसका सर्वाधिक विस्तार विजयनगर शासकों ने कराया था।

- विजयनगर के संगम वंश के शासकों ने मंदिर को एक प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में मान्यता दिलाने में अपना योगदान दिया था। तुलुव वंश के शासकों ने मंदिर का सर्वाधिक विस्तार कराया था। ख कृष्णदेव राय (1509-29 ई.) ने अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में मुख्य मंदिर के सामने एक सभाकक्ष के निर्माण के साथ-साथ पूर्वी गोपुरम का भी निर्माण कराया था।



INDORE

## डब्ल्यूआईपीओ संधि

WIPO के सदस्य देशों ने हल ही में बौद्धिक संपदा, आनुवंशिक संसाधनों और संबंधित पारंपरिक ज्ञान पर एक ऐतिहासिक नई संधि को अपनाया है।

बौद्धिक संपदा, आनुवंशिक संसाधन (जीआर), और संबंधित पारंपरिक ज्ञान (एटीके) पर विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) संधि वैश्विक दक्षिण और भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भारत, प्रचुर पारंपरिक ज्ञान के साथ एक मेगा जैव विविधता हॉटस्पॉट, इस संधि का एक प्रमुख समर्थक रहा है।

### संधि का ऐतिहासिक महत्व: -

- पहली बार, ज्ञान और बुद्धिमत्ता की पारंपरिक प्रणालियाँ, जिन्होंने सदियों से अर्थव्यवस्थाओं, समाजों और संस्कृतियों का समर्थन किया है, हालाँकि इसे अब वैश्विक आईपी प्रणाली में मान्यता प्राप्त है।
- यह संधि स्थानीय समुदायों और उनके जीआर और एटीके के बीच संबंध को स्वीकार करती है, जो भारत द्वारा समर्थित एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।
- संधि जैव विविधता की सुरक्षा और सुरक्षा करेगी और पेटेंट प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाएगी।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करके नवाचार को मजबूत करना है कि आईपी प्रणाली समावेशी रूप से विकसित होते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करती रहे।

### भारत के लिए महत्वपूर्ण कदम:-

- दो दशकों की बातचीत के बाद इस संधि को 150 से अधिक देशों के बीच सर्वसम्मति से अपनाया गया है।
- यह भारत और वैश्विक दक्षिण के लिए एक महत्वपूर्ण जीत का प्रतीक है, जो लंबे समय से इस उपकरण की वकालत करते रहे हैं।
- इस संधि को अधिकांश विकसित देशों का समर्थन प्राप्त है जो आईपी उत्पन्न करते हैं और अनुसंधान और नवाचार के लिए जीआर और एटीके का उपयोग करते हैं।



## लागत मुद्रास्फीति सूचकांक

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड-सी बी डी टी ने दीर्घकालीन पूंजी प्राप्ति की गणना करने के लिए वित्त वर्ष 2025 का लागत मुद्रा स्फीति सूचकांक-सी आई आई अधिसूचित कर दिया है।

वित्त वर्ष 2024-25 का सी आई आई 363 रहा है जो आकलन वर्ष 2025-26 के लिए प्रभावी होगा।

यह अधिसूचना एक अप्रैल 2025 से प्रभावी होगी। सी बी डी टी ने कहा है कि यह सूचकांक आने वाले वर्षों के लिए भी लागू होगा।

### दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ;-

- यह 12 से 36 महीने या उससे अधिक समय तक अपने पास रखी गई परिसंपत्तियों को बेचने पर अर्जित किया जाता है।
- पूंजीगत परिसंपत्तियों में स्टॉक, बॉण्ड, आभूषण, भवन, आदि शामिल हैं।
- अलग-अलग परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत लाभ की गणना की अवधि अलग-अलग होती है।

### लागत मुद्रास्फीति सूचकांक ( CII );-

- CII को प्रत्येक वर्ष आयकर अधिनियम (1961) के तहत अधिसूचित किया जाता है।
- इसका उपयोग करदाताओं द्वारा पूंजीगत परिसंपत्तियों की बिक्री से प्राप्त धन को मुद्रास्फीति से समायोजित करने के बाद लाभ की गणना करने के लिए किया जाता है।

# COST INFLATION INDEX



## भारत रूस परमाणु सहयोग

हाल ही में रूस ने भारत में परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण इस्तेमाल में सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत नए न्यूक्लियर रिएक्टर की स्थापना में सहयोग का वादा किया है।

रूसी परमाणु एजेंसी के प्रमुख ने साथ ही कहा कि रूस भारत में कुडनकुलम में परमाणु ऊर्जा परियोजना के अलावा दूसरी नई जगह पर उच्च क्षमता वाली परमाणु ऊर्जा इकाइयों के निर्माण में मदद करने के लिए तैयार है।

भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष ने रूस के टॉम्स्क क्षेत्र में प्रोरीव या प्लेकथरू परियोजना स्थल का दौरा किया। इस दौरान दोनों देशों ने परमाणु सहयोग के विस्तार के क्षेत्रों पर चर्चा की।

### चर्चा के महत्वपूर्ण बिंदु; -

- प्रोजेक्ट प्रोरीव बंद परमाणु ईंधन चक्र (Closed nuclear fuel cycle) के साथ नए तकनीकी मंच के निर्माण पर केंद्रित है। यह प्रयुक्त हो चुके परमाणु ईंधन और रेडियोधर्मी अपशिष्ट संबंधी समस्याओं का समाधान करेगा।
- परमाणु ईंधन चक्र में 'फ्रंट एंड' (ईंधन तैयार करना), 'सर्विस पीरियड' (रिएक्टर परिचालन के दौरान प्रयुक्त ईंधन का उपयोग) और 'बैक एंड' (प्रयुक्त परमाणु ईंधन का सुरक्षित प्रबंधन) शामिल हैं।
- बंद परमाणु ईंधन चक्र में प्रयुक्त ईंधन को पुनः प्रसंस्कृत और पुनर्चक्रित किया जाता है। यदि प्रयुक्त ईंधन को फिर से प्रसंस्कृत नहीं किया जाता है, तो इसे "ओपन फ्यूल साइकल (खुला ईंधन चक्र)" कहा जाता है।

### परमाणु सहयोग का विस्तार;-

- भारत में किसी नई जगह पर रूसी डिजाइन वाली उच्च क्षमता युक्त परमाणु ऊर्जा इकाइयों का क्रमिक निर्माण किया जा सकता है।
- परमाणु ईंधन चक्र से जुड़े और ऊर्जा क्षेत्र के अलावा किसी अन्य क्षेत्र में उपयोग सहयोग संभव है।
- फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण किया जा सकता है।

### फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्र;-

- यह एक या अधिक परमाणु रिएक्टर वाली साइट है, जो समुद्र में एक प्लेटफॉर्म पर निर्मित होती है।
- आमतौर पर स्वच्छ विद्युत, ऊष्मा और अलवणीकृत जल प्रदान करने के लिए जहाजों पर स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) स्थापित किए जाते हैं।

- वर्तमान में, रूस एकमात्र ऐसा देश है, जिसके पास परिचालनरत फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्र है।
- इसे एकेडेमिक लोमोनोसोव के नाम से जाना जाता है।



## डेली करंट अफेयर्स प्रश्नोत्तरी

1. हाल ही में सांख्यिकी और कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 'अनएम्प्लॉयमेंट रेट' में कौन शीर्ष पर रहा है ?
- (अ) कर्नाटक (ब) केरल  
(स) तमिलनाडु (द) दिल्ली
6. किस देश की सरकार इरावदी नदी पर चीन समर्थित बांध परियोजना को फिर से शुरू किया है?
- (अ) भारत (ब) म्यांमार  
(स) बांग्लादेश (द) नेपाल

उत्तर-केरल

उत्तर-म्यांमार

2. हाल ही में किस राज्य में सबसे अधिक जंगल में आग की घटनाएं दर्ज की गयीं हैं ?
- (अ) गुजरात (ब) राजस्थान  
(स) उत्तराखंड (द) हिमाचल प्रदेश
7. भारत की चौथी सबसे बड़ी निर्यात वस्तु कौन बनी है?
- (अ) कच्चा तेल (ब) स्मार्ट वॉच  
(स) स्मार्टफोन (द) लैपटॉप

उत्तर-हिमाचल प्रदेश

उत्तर-स्मार्टफोन

3. हाल ही में कौन T20 में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं ?
- (अ) बाबर आजम (ब) विराट कोहली  
(स) सूर्यकुमार यादव (द) रोहित शर्मा
8. मलेशिया मास्टर्स 2024 में भारतीय शटलर पीवी सिंधु किस स्थान पर रही हैं?
- (अ) पहला (ब) दूसरा  
(स) तीसरा (द) चौथा

उत्तर-बाबर आजम

उत्तर-दूसरा

4. हाल ही में किसने UEFA विमेंस चैंपियंस लीग का खिताब जीता है ?
- (अ) बार्सिलोना (ब) रियल मैड्रिड  
(स) ल्योन (द) इनमें से कोई नहीं
9. साइबर सिक््योरिटी कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन कहां किया गया है?
- (अ) नई दिल्ली (ब) ढाका  
(स) दुबई (द) काठमांडू

उत्तर-बार्सिलोना

उत्तर-नई दिल्ली

5. हाल ही में "गितानस नौसेदा" को किस देश का फिरसे राष्ट्रपति चुना गया है?
- (अ) इराक (ब) ईरान  
(स) सूडान (द) लिथुआनिया
10. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के कमांडेंट कौन बने हैं?
- (अ) गुरचरण सिंह (ब) रमेश बाबू वी.  
(स) सर्वदानंद बर्नवाल (द) संजय कुमार

उत्तर-लिथुआनिया

उत्तर-गुरचरण सिंह